

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

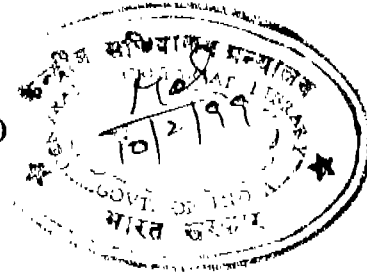
असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 682 ]

No. 682]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 15, 1998/आश्विन 23, 1920  
NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 15, 1998/ASVINA 23, 1920

उद्योग मंत्रालय

( औद्योगिक विकास विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1998

का.आ. 909 ( अ ).—पेटेन्ट नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केंद्रीय सरकार, पेटेन्ट अधिनियम, 1970 ( 1970 का 39 ) की धारा 159 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की उपधारा ( 3 ) की अपेक्षानुसार, ऐसे सभी व्यक्तियों की, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि प्रारूप पर उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना से युक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, तीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किसी व्यक्ति से उक्त प्रारूप की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि से पूर्व प्राप्त किसी आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, भारत सरकार, उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 को भेजे जा सकते हैं।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम पेटेन्ट ( संशोधन ) नियम, 1998 है।  
2. पेटेन्ट नियम, 1972 में ( जिन्हें इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है ) अध्याय 2 के पश्चात् निम्नलिखित अध्याय अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“अध्याय 2क

पेटेन्ट सहकारिता संधि ( पेटेन्ट कोऑपरेशन ट्रीटी ) के अधीन अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन

20क. परिभाषाएं :—इस अध्याय में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

( क ) “ अनुच्छेद ” से संधि का अनुच्छेद अभिप्रेत है;

( ख ) “ संधि ” या “ पी सी टी ” से वाशिंगटन में 19 जून, 1970 को की गई पेटेन्ट सहकारिता संधि अभिप्रेत है जो समय-समय पर संधि के अनुच्छेद 47 और 61 के निबंधनों के अनुसार यथा संशोधित और उपांतरित है;

( ग ) अन्य सभी शब्दों और पदों से, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु पी सी टी में परिभाषित हैं, वह अर्थ अभिप्रेत होगा जो उन्हें संधि में समनुदेशित किया गया है।

20 ख. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के संबंध में समुचित कार्यालय

- (1) पेटेंट कार्यालय का मुख्य कार्यालय (जिसे इसमें इसके पश्चात् पेटेंट कार्यालय कहा गया है) संधि के अधीन फाइल किए गए अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के प्रयोजनों के लिए प्राप्तकर्ता कार्यालय, पदाभिहित कार्यालय और निर्वाचित कार्यालय के रूप में कार्य करेगा।
- (2) अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन, इस अध्याय और पी सी टी के अधीन स्थापित संधि तथा विनियमों के उपबंधों के अनुसार
  - (क) प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में पेटेंट कार्यालय में फाइल किया जाएगा और उसके द्वारा उस पर कार्यवाही की जाएगी;
  - (ख) अभिहित कार्यालय के रूप में और चयनित कार्यालय के रूप में पेटेंट कार्यालय द्वारा उस पर कार्यवाही की जाएगी। कार्यालय में फाइल किया जाएगा और उसके द्वारा उस पर कार्यवाही की जाएगी।

20 ग. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन प्राप्त कार्यालय के रूप में पेटेंट कार्यालय में फाइल करना।

- (1) अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन या तो अंग्रेजी या हिन्दी भाषा की तीन प्रतियों में पेटेंट कार्यालय में फाइल किया जाएगा।
- (2) पेटेंट कार्यालय में फाइल किए गए किसी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन की बाबत संदेय फीस, संधि के अधीन विनियमों में यथाविनिर्दिष्ट फीस के अतिरिक्त, पहली अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट फीस होगी।
- (3) जहां अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन पेटेंट कार्यालय में तीन प्रतियों में फाइल नहीं किया गया है और आवेदक यह चाहता है कि पेटेंट कार्यालय अपेक्षित अतिरिक्त, प्रतियां तैयार करे, वहां ऐसी प्रतियां तैयार करने के लिए फीस आवेदक द्वारा संदत् की जाएगी।
- (4) पेटेंट कार्यालय, आवेदक से अनुरोध की प्राप्ति पर और उसके द्वारा विहित फीस का संदाय करने पर पेटेंट कार्यालय प्राथमिकता प्राप्त दस्तावेज की प्रमाणित प्रति तैयार करेगा और आवेदक को सूचना देते हुए अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन के प्रयोजन के लिए उसे अन्तर्राष्ट्रीय ब्यूरो को भेजेगा।

20 घ. भारत का अभिहित और चयन करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन—

- (1) भारत को अभिहित करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन को अधिनियम के अधीन पेटेंट के लिए आवेदन माना जाएगा।
- (2) भारत को अभिहित करने वाले ऐसे किसी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन के प्रयोजन के लिए, अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन में फाइल किया गया हक, वर्णन, रेखांक और दावों को अधिनियम के प्रयोजन के लिए पूर्ण विनिर्देश के रूप में माना जाएगा।
- (3) पेटेंट के लिए किसी आवेदन को फाइल करने की और अभिहित कार्यालय के रूप में पेटेंट कार्यालय द्वारा कार्यवाही किए गए उसके पूर्ण विनिर्देश की तारीख संधि के अधीन मानी गई फाइल करने की अन्तर्राष्ट्रीय तारीख होगी।
- (4) पेटेंट कार्यालय, उपनियम (6) में विहित समय सीमा की समाप्ति से पूर्व भारत को अभिहित करने वाले किसी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन पर कार्यवाही तब के सिवाय आरंभ नहीं करेगा, जब आवेदक उस उप नियम की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है और ऐसी कार्यवाही के शीघ्र आरंभ किए जाने के लिए अभिव्यक्त रूप से अनुरोध के साथ पेटेंट कार्यालय में आवेदन फाइल करता है।
- (5) कोई आवेदक, भारत को अभिहित करने वाले किसी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन की बाबत उपनियम (6) में विहित समय सीमा से पूर्व,—
  - (क) इन नियमों और संधि के अधीन बनाए गए विनियम के अधीन विहित रीति से पेटेंट कार्यालय को विहित राष्ट्रीय फीस और अन्य फीस का संदाय करेगा;
  - (ख) यदि अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन फाइल नहीं किया गया था या अंग्रेजी में प्रकाशित नहीं किया गया है तो पेटेंट कार्यालय में आवेदन का, आवेदक द्वारा सम्यक् रूप से स्थापित अंग्रेजी में अनुवाद उसकी विषय वस्तु की शुद्धता और पूर्णता का कथन करते हुए फाइल करेगा।
- (6) उपनियम (2) में निर्दिष्ट समय सीमा—
  - (क) जहां आवेदक ने अनुच्छेद 2 (xi) में निर्दिष्ट पूर्णिकता की तारीख से उन्नीस मास के अवसान से पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम के प्रयोजन के लिए भारत का चयन नहीं किया है तो वहां उक्त पूर्णिकता की तारीख से इक्कीस मास होगी; और
  - (ख) जहां आवेदक ने अनुच्छेद 2 (xi) में निर्दिष्ट पूर्णिकता की तारीख से उन्नीस मास के अवसान से पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम के उपयोग के प्रयोजन के लिए भारत का चयन किया है तो वहां उक्त पूर्णिकता तारीख से इक्कीस मास होगी।
- (7) उपनियम (5) में निर्दिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन के अनुवाद में निम्नलिखित का अंग्रेजी अनुवाद भी सम्मिलित होगा—
  - (i) वर्णन ;
  - (ii) दावे जैसे कि फाइल किए गए हैं;
  - (iii) रेखाचित्रों का मूल विषय ;
  - (iv) सार ; और
  - (v) उपनियम (6) के खंड (क) में निर्दिष्ट मामले में और यदि दावों का अनुच्छेद 19 के अधीन संशोधन किया गया है तो उक्त अनुच्छेद के अधीन फाइल किए गए कथन के साथ किए गए संशोधित दावे ;
  - (vi) उपनियम (6) के खंड (ख) में निर्दिष्ट मामले में और किसी वर्णन, दावों और रेखाचित्रों के मूल विषय के संशोधन, जो अन्तर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षा रिपोर्ट के साथ उपाबद्ध है।

- (8) यदि आवेदक पेटेन्ट कार्यालय से आमंत्रण मिलने के पश्चात् भी उपनियम (7) में निर्दिष्ट संशोधित दावों और उपाबंधों का अनुवाद, उक्त कार्यालय द्वारा अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए बचे समय को ध्यान में रखते हुए ऐसे समय के भीतर जो नियत किया जाए, फाइल करने में असफल रहता है तो पेटेन्ट कार्यालय द्वारा आवेदन के संबंध में आगे कार्यवाही किए जाने के अनुक्रम में ऐसे संशोधित दावों और उपाबंधों को नहीं माना जाएगा।
- (9) भारत को अभिहित करने वाले किसी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन की बाबत आवेदक अभिहित कार्यालय के रूप में पेटेन्ट कार्यालय के समक्ष उपनियम (5) का अनुपालन करते समय अधिमानतः दूसरी अनुसूची में वर्णित प्ररूपों का उपयोग करेगा।

20. ङ प्राथमिकता प्राप्त दस्तावेजों का फाइल किया जाना—

- (1) जहां आवेदक ने भारत को अभिहित करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन की बाबत संधि के अधीन विनियमों के नियम 17.1 के पैरा (क) या पैरा (ख) की अपेक्षाओं का पालन नहीं किया है तो वहां आवेदक नियम 20घ के उपनियम (6) में निर्दिष्ट समय सीमा के अवसान से पूर्व उस नियम में निर्दिष्ट पूर्विकता दस्तावेजों पेटेन्ट कार्यालय में फाइल करेगा।
- (2) जहां उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्राथमिकता प्राप्त दस्तावेज अंग्रेजी भाषा में नहीं है वहां नियम 20घ के उपनियम (6) में विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर उसका सम्यक् रूप से सत्यापित अंग्रेजी अनुवाद फाइल किया जाएगा।
- (3) जहां आवेदक उपनियम (1) या उपनियम (2) की अपेक्षाओं का पालन नहीं करता है वहां पेटेन्ट कार्यालय आवेदक को, प्राथमिकता प्राप्त दस्तावेज फाइल करने के लिए आमंत्रित करेगा और यदि आवेदक ऐसा करने में असफल रहता है तो अधिनियम के प्रयोजनार्थ पूर्विकता के लिए आवेदक के दावे को नहीं माना जाएगा।

20. च. कतिपय अपेक्षाओं के अनुपालन का प्रभाव—

यदि आवेदक नियम 20घ के अपेक्षाओं का पालन नहीं करता है तो भारत का अभिहित करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन को वापस किया गया समझा जाएगा।

20 छ. इस अध्याय के अधीन अपेक्षाओं का संधि के अधीन विनियमों, आदि का अनुपूरक होना—

- (1) इस अध्याय के उपबंध पी सी टी और उसके अधीन बनाए गए विनियमों और प्रशासनिक अनुदेशों के अनुपूरक होंगे।
- (2) इन नियमों के किन्हीं उपबंधों और संधि के अधीन बनाए गए विनियमों तथा प्रशासनिक अनुदेशों के उपबंधों में किसी विरोध की दशा में संधि के अधीन बनाए गए विनियमों और प्रशासनिक अनुदेशों के उपबंध अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के संबंध में लागू होंगे।”

3. मूल नियमों की पहली अनुसूची में प्रविष्टि सं. 72 और उसके सामने की तत्स्थानी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि संख्यांक और तत्स्थानी प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्—

प्रविष्टि सं.	किस के लिए संदेय	प्ररूप सं.	फीस की रकम रु. पैसे
1	2	3	4
72.	दस्तावेज के प्रत्येक पृष्ठ के जेरोक्स कापी के प्रदाय के लिए		10.00
73.	अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन के लिए पारेषण फीस		5000.00
74.	प्राथमिकता प्राप्त दस्तावेज की प्रमाणित प्रति तैयार करने और उसे अन्तर्राष्ट्रीय ब्यूरो के पारेषण के लिए		2000.00
75.	अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन की बाबत राष्ट्रीय फीस		अपूर्विकता या एक पूर्विकता की दशा में 300.00 और प्रत्येक गुणक पूर्विकता की दशा में 300.00 रु. का गुणक।”

[14/8/98-पी पी और सी]

पुष्पेन्द्रराज, संयुक्त सचिव

टिप्पण : पेटेन्ट नियम, 1972 जो का.आ. 301 (अ), द्वारा तारीख 20 अप्रैल, 1972 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में अधिसूचित किए गए थे और तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए :—

- (i) का.आ. 2908, तारीख 31 जुलाई, 1976
- (ii) का. आ. 3598, तारीख 28 अक्टूबर, 1977
- (iii) का. आ. 468 (अ), तारीख 26 जून, 1992
- (iv) का.आ. 889 (अ), तारीख 23 नवम्बर, 1993

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
**(Department of Industrial Development)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 15th October, 1998

**S.O. 909(E).**—The following draft of certain rules further to amend the Patents Rules, 1972, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 159 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), is hereby published as required by sub-section (3) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of thirty days from the date on which copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary to the Government of India, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Udyog Bhavan, New Delhi—110011.

**DRAFT RULES**

1. These rules may be called the Patents (Amendment) Rules, 1998.
2. In the Patents Rules, 1972 (hereinafter referred to as the principal rules), after Chapter II, the following Chapter shall be inserted, namely :—

**“CHAPTER II A**

**International applications under Patent Cooperation Treaty**

**20A. Definitions.**—In this Chapter, unless the context otherwise requires,—

- (a) “Article” means an article of the Treaty;
- (b) “Treaty” or “PCT” means the Patent Cooperation Treaty done at Washington on the 19<sup>th</sup> June, 1970 as amended and modified from time to time in terms of Articles 47 and 61 of the Treaty;
- (c) all other words and expressions used herein and not defined but defined in the PCT shall have the same meaning as assigned to them in that Treaty.

**20B. Appropriate office in relation to international applications.**—

- (1) The Head Office of the Patent Office (hereinafter referred to as Patent Office) shall function as receiving office, designated office and elected office for the purposes of international applications filed under the Treaty.
- (2) An international application shall be—
  - (a) filed in and processed by the Patent Office as a receiving office;
  - (b) processed by the Patent Office as a designated office and as elected office,

in accordance with the provisions of this Chapter, the Treaty and the Regulations established under the PCT.

**20C. International applications filed with Patent Office as receiving office.**—

- (1) An international application shall be filed with the Patent Office in triplicate, either in English or in Hindi language.
- (2) The fees payable in respect of an international application filed with the Patent Office shall be, in addition to the fees as specified in the Regulations under the Treaty, the fees as specified in the First Schedule.
- (3) Where an international application filed with the Patent Office has not been filed in triplicate and the applicant desires that the Patent Office should prepare the additional copies required, the fee for making such copies shall be paid by the applicant.
- (4) On receipt of a request from the applicant and on payment of the prescribed fee by him, the Patent Office shall prepare a certified copy of the priority document and transmit the same to the International Bureau for the purpose of an international application filed with the Patent Office with an intimation to the applicant.

**20D. International applications designating or designating and electing India.**—

- (1) An international application designating India shall be treated as an application for patent under the Act.
- (2) For the purpose of an international application designating India, the title, description, drawings and claims filed in the International application shall be taken as the complete specification for the purpose of the Act.

- (3) The filing date of an application for patent and its complete specification processed by the Patent Office as designated office shall be the international filing date accorded under the Treaty.
- (4) The Patent Office shall not commence processing of an international application designating India before the expiration of the time limit prescribed under sub-rule (6) except when the applicant complies with the requirements of that sub-rule and files at the Patent Office an express request for early commencement of such processing.
- (5) An applicant in respect of an international application designating India shall, before the time limit prescribed in sub-rule (6),—
  - (a) pay the prescribed national fee and other fees to the Patent Office in the manner prescribed under these rules and under the Regulations made under the Treaty;
  - (b) file with the Patent Office a translation of the application in English duly verified by the applicant stating the correctness and completeness of the contents thereof, if the international application was either not filed or has not been published in English.
- (6) The time limit referred to in sub-rule (5) shall be —
  - (a) where the applicant has not, before the expiration of nineteen months from the priority date referred to in Article 2(xi), elected India for the purpose of the use of the result of international preliminary examination, twenty-one months from the said priority date; and
  - (b) where the applicant has, before the expiration of nineteen months from the priority date referred to in Article 2(xi), elected India for the purpose of the use of the result of international preliminary examination, thirty-one months from the priority date.
- (7) The translation of the international application referred to in sub-rule (5) shall include a translation in English of,—
  - (i) the description;
  - (ii) the claims as filed;
  - (iii) any text matter of the drawings;
  - (iv) the abstract; and
  - (v) in the case referred to in clause (a) of sub-rule (6) and if the claims have been amended under Article 19, then the amended claims together with any statement filed under the said Article;
  - (vi) in the case referred to clause (b) of sub-rule (6) and any amendments to the description, the claims and text matter of the drawings that are annexed to the international preliminary examination report.
- (8) If the applicant fails to file a translation of the amended claims and annexures referred to in sub-rule (7), even after invitation from the Patent Office to do so within a time limit as may be fixed by that Office having regard to the time left for meeting the requirements, the amended claims and annexures shall be disregarded in the course of further processing the application by the Patent Office.
- (9) The applicant in respect of an international application designating India shall when complying with sub-rule(5) preferably use forms set out in the Second Schedule before the Patent Office as designated Office.

**20E. Filing of priority documents,—**

- (1) Where the applicant in respect of an international application designating India has not complied with the requirements of paragraph (a) or paragraph (b) of Rule 17.1 of the Regulations under the Treaty. The applicant shall file with the Patent Office the priority document referred to in that Rule before the expiration of the time limit referred to in sub-rule (6) of rule 20 D.
- (2) Where priority document referred to in sub-rule (1) is not in the English language, a duly verified English translation thereof shall be filed within the time limit specified in sub-rule (6) of rule 20(D).
- (3) Where the applicant does not comply with the requirements of sub-rule (1) or sub-rule(2) the Patent Office shall invite the applicant to file the priority document or the translation thereof, as the case may be within three months from the date of the invitation, and if the applicant fails to do so, the claim of the applicant for the priority shall be disregarded for the purposes of the Act.

**20F. Effect of non-compliance with certain requirements,—**

An international application designating India shall be deemed to be withdrawn if the applicant does not comply with the requirements of rule 20 D.

**20G. The requirements under this Chapter to be supplemental to the Regulations, etc. under the Treaty,—**

- (1) The provisions of this chapter shall be supplemental to the PCT and the Regulations and the Administrative Instructions made thereunder.

२०९२/१९

- (2) In case of a conflict between any provisions of these rules and the provisions of Treaty and the Regulations and the Administrative Instructions made thereunder, the provisions of the Treaty and the Regulations and Administrative Instructions made thereunder shall apply in relation to international applications.
- (3) In the First Schedule to the principal rules for entry number 72 and the corresponding entries against it, the following entry numbers and corresponding entries shall be substituted, namely :—

No. of Entry	On what payable	No. of Form	Amount of fee Rs./P.
1	2	3	4
72.	For supply of zerox copy of the documents per page		10.00
73.	Transmittal fee for international application		5000.00
74.	For preparation of certified copy of priority document and for transmission of the same to International Bureau		2000.00
75.	National fee in respect of international application		300.00 in case of no priority or one priority and a multiple of Rs. 300.00 in case of every multiple priority."

[F. No. 14/8/98-PP&amp;C]

PUSHPENDRA RAI, Jt. Secy.

**Note :** The Patents Rules, 1972 were notified in the Gazette of India Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) on 20th April, 1972 vide S.O. 301(E) and subsequently amended by :—

- (i) S.O. 2908, dated 31 July, 1976.
- (ii) S.O. 3598, dated 28 October, 1977.
- (iii) S.O. 468(E), dated 26 June, 1992.
- (iv) S.O. 889 (E), dated 23 November, 1993.